कोविड-19 के टीके की जंग तेज

कई कंपनियों को डीसीजीआई की मान्यता के अनुसार चिकित्सकीय परीक्षणों की इजाजत

विनय उमरजी और सोहिनी दास

कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए सार्स-सीओवी-2 (नोवल कोरोनावायरस) का टीका बनाने की होड़ तेज हो गई है। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन

ने दक्षिण अफ्रीका में इसके चिकित्सकीय परीक्षण शुरू किए हैं और टीम ऑक्स1कोव-19 या ऑक्सफर्ड वैक्सीन के परीक्षण के लिए तैयार है। एसआईआई के सीईओ अदर पूनावाला का कहना है कि कंपनी टीका लॉन्च करने से पहले भारत में तीसरे चरण के चिकित्सकीय परीक्षण करेगी।

सितंबर में मॉनसून सत्र के लिए तैयारी शुरू

अर्चिस मोहन

सितंबर के पहले सप्ताह में संसद का मॉनसून सत्र आयोजित होना तय है और सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने सत्र की तैयारियों का

लिया है। ये शिकायतें सरकारी एवं निजी बिजली वितरण कंपनियों दोनों के खिलाफ हैं। संबंधित बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने उपभोक्ताओं को यह बताने की कोशिश की है कि ये बिल अंतिम नहीं हैं क्योंकि कोविड-19 की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण मीटरों की रीडिंग नहीं ली जा सकी है।

सामान्य परिस्थितियों में बिजली कंपनियां बिलिंग चक्र (मासिक या दो माह में एक बार) के आधार पर बिजली मीटर की रीडिंग लेने के लिए एक व्यक्ति को घर-घर भेजती हैं। हालांकि, संबंधित राज्य बिजली नियामकों के निर्देशों के तहत, 22 मार्च से शुरू हुए लॉकडाउन के दौरान डिस्कॉम कंपनियों ने मीटर रीडिंग लेने पर रोक लगा दी है। मीटर रीडिंग के अभाव में उपभोक्ताओं को पिछले तीन महीनों (दिसंबर, जनवरी तथा फरवरी) की औसत खपत के आधार पर अनुमानित बिजली बिल प्राप्त हो रहे हैं।

टाटा पावर ने शनिवार को एक बयान में

की, ऐसे में भी फरवरी/मार्च की खपत के आधार पर ही बिल भेजे गए।' पंखे, एयर कंडीशनर आदि के अधिक उपयोग के कारण अप्रैल से अगस्त-सितंबर तक बिजली की खपत बढ़ जाती है। हालांकि, कई उपभोक्ताओं, विशेष रूप से वाणिज्यिक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं का कहना है कि ज़ब लॉकडाउन के दौरान उनकी दुकानें बंद रही हैं तो हजारों रुपयों में बिजली बिल आने का कोई औचित्य नहीं हैं। ट्विटर एवं कई व्हाट्सऐप ग्रुपों पर साझा की गई शिकायतों के अनुसार मार्च माह से बंद रेस्तरां मालिक, छोटे दुकानदार, औद्योगिक इकाइयां बढ़े हुए बिल के चलते सदमे में हैं।

ऐसी भी शिकायतें हैं कि औसत के आधार पर आया इस बार का बिल उपभोक्ताओं द्वारा किए गए पिछले भुगतान के आसपास भी नहीं हैं। अभिनेत्री तथा निर्देशक रेणुका शहाणे ने ट्विटर पर लिखा कि उनसे मई माह के लिए दो बार शुल्क वसूला गया और यह राशि काफी ज्यादा रही। मुंबई शहर में आम निवासी

तथा स्थानीय राजनेता बिजली के बढ़े हुए बिलों के खिलाफ राज्य सरकार को पत्र लिख रहे हैं। कई उपभोक्ता अधिकार कार्यकर्ता बिजली के बिलों के भुगतान का बहिष्कार करने के लिए व्हाट्सऐप पर संदेश प्रसारित कर रहे हैं। ऐसे ही एक कार्यकर्ता ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वे डिस्कॉक कंपनियों को उपभोक्ताओं को छूट देने के लिए कहें। कई डिस्कॉम कंपनियां उपभोक्ताओं से मीटर रीडिंग संबंधी अपनी चिंता को बताने का आग्रह कर रही हैं।

दिल्ली में, दो निजी डिस्कॉम कंपनियों ने उपभोक्ताओं को अस्थायी बिल के बारे में शिक्षित करने के लिए विभिन्न अभियान शुरू किए हैं। बीएसईएस दिल्ली ट्वीट एवं ट्यूटोरियल वीडियो के माध्यम से राज्य की जनता को अस्थायी बिल की गणना करने संबंधी जानकारी दे रही है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से स्वयं मीटर रीडिंग लेने तथा

बिल की पुनर्गणना की जा रही है। अभी तक औसत गणना के लिए उपयोग में लिए गए तीनों महीने (दिसंबर, जनवरी और फरवरी) सर्दियों के महीने हैं और इन महीनों में अप्रैल-जून के मुकाबले औसत खपत कम है।

डिस्कॉम के एक अधिकारी ने कहा कि जून में मीटर की वास्तविक रीडिंग मिलने पर उपभोक्ताओं को समायोजित बिल प्राप्त होंगे और बिल राशि पर डेबिट / क्रेडिट आधार पर गणना की जाएगी। उन्होंने कहा, हालांकि गर्मियों के महीनों में अधिक खपत के साथ ही लॉकडाउन में घर से काम करने के बढ़ते चलन के कारण कारण अप्रैल-मई में भेजे गए बिलों को थोड़ा बढ़ाया गया था।

एक प्रमुख अधिकारी ने कहा, 'लॉकडाउन तथा कुछ उपभोक्ताओं की बढ़ती खपत के पैटर्न को देखते हुए कुल उपभोग में तेजी देखी गई है। कुछ जगह खपत में दो से तीन गुना तेजी भी देखी गई है। लोग घर से बाहर नहीं निकल रहे और महामारी के दौरान घर बैठे ही काम तथा अध्ययन कर रहे हैं।'

लिए आसान इंटरफेस, पृष्ठभूमि में संगीत का विकल्प और विभिन्न विशेष प्रभाव वाली खूबियां उपलब्ध हैं, देश के सोशल मीडिया क्षेत्र में पनप रही ताकत थी और इस प्रतिबंध ने इसके प्रशंसकों को इस ऐप के विकल्प तलाशने के लिए विवश कर दिया है। भारतीय वीडियो-शेयरिंग सोशल मीडिया ऐप रोपोसो टिक टॉक के समान है जो वर्ष 2014 से मौजूद है। कंपनी के संस्थापक मयंक भंगडिया ने रॉयटर्स को बताया कि भारत द्वारा चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद दो दिनों में इसके उपयोगकर्ताओं की संख्या में 2.2 करोड़ तक का इजाफा नजर आया है। मयंक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मैं कुल पांच घंटे ही सोया हूं और हमारी पूरी टीम का भी यही हाल

SUNCITY
AVENUE 76

License No. 34 of 2018, Building Plan Approved Vide Memo No. ZP-1255/JD(RD) 2019/20894 dated 30-08-2019. HARYANA RERA REG. NO. 78 OF 2019 DATED 23-12-2019

फ्लैटों का ड्रॉ

आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि **मेसर्स सनसिटी प्रोजेक्टस प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी 2013 के तहत विकसित की जा रही **सनसिटी एवेन्यू 76, सैक्टर 76, जिला गुरुग्राम हरियाणा** के फ्लैटों का ड्रॉ दिनांक 11.07.2020 को **सुबह 9:30** बजे **सनसिटी स्कूल (ऑडिटोरियम) सनसिटी टाउनशिप, सैक्टर-54, गोल्फ कोर्स रोड, गुरुग्राम, हरियाणा-122002** में आयोजित किया जाएगा।

लाइव स्ट्रीमिंग की मदद से Youtube लाइव पर ड्रॉ की कार्यवाही प्रसारित की जाएगी। कोविड-19 महामारी की चल रही स्थिति के कारण, कोरोना वायरस रोग के प्रसार को रोकने के लिए, सार्वजनिक सभा पर गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है।

MHA/ DTCP हरियाणा के दिशानिर्देशों के अनुसार, ड्रॉ समिति और कर्मचारियों सहित 50 व्यक्तियों की अधिकतम शक्ति का संचालन स्थल पर किया जाएगा, शेष आवेदक YouTube लाइव के नीचे दिए गए लिंक पर लॉगिन करने के बाद ऑनलाइन ड्रॉ में भाग लेंगे।

YouTube लिंक: https://www.youtube.com/c/suncityprojectspvtltd

सनसिटी प्रोजेक्टस प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U45201DL1996PTC083915)
सनसिटी बिजनैस टॉवर, 218-224, द्वितीय तल, गोल्फ कोर्स रोड, सैक्टर-54, गुरुग्राम-122002, हरियाणा।
Ph.: 7061700000 • **VISIT: www.suncityprojects.com**